Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

N 0 8 5 1 7

PAPER - III
KONKANI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

KONKANI
कोंकणी
PAPER - III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट पाऊणशे **(75)** भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात.

(ii) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो बरोवंच्यो.

(iii) दर एका प्रस्नाच्या सारके जापेक दोन **(2)** गुण दवरल्यात.

(iv) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिलल्या (1), (2), (3) आनी (4) ह्या आंकड्यातल्या फावो त्या आंकड्याचेर कुरु करुन दिवंची.

1. '16 व्या शेंकड्यातले कोंकणी महाभारत : आदिपर्व' ह्या पुस्तकांतल्यो कथा आनी तांतले उतारे हांच्यो योग्य त्यो जोडयो लायात.

(a) तावळि तो कृपाचारी दृणाक येकान्ती व्हर्नु उलौं लागलो ''भिस्मदेऊ ऐसें म्हणता : ह्या कोउरवां पाण्डवांक विध्या सिकौं सांगता, तें उतर आयकुनु द्रोणाचारी म्होणुं लागलो, ''आमीं ब्राह्मण भिकारी. आमकां हें कार्य खैं टांकत ? ऐसे म्होणु उलौं लागलो. — (i) पयली कथा

(b) तें उतर आयकुनु दृतरास्टरु म्होणुं लागलो, ''जेतुकें तुवें उलैंला तेतुकें म्हाका मानलें. हें राजे तंव पण्डुचें. समेस्त राजे तांकांचि फाव. ते न्होये कोर्नु तुमीं अर्दा दी राजे समेस्त वांटुनु दिताति. हें तुमीं भोउ बरें करिताति. मज्या मना येता'' हें उतर भिस्मदेवाक मानलें — (ii) सातवी कथा

(c) अर्जुने दृपदी प्रणिली। ही किर्ति त्रिभुवनी विस्तारिली समेस्तां खेत्र्यां रायां देखतें जिखिली तें तुमीं पर्येसा। अर्जुनान द्रुपदी जिखिली. समेस्तां रायां खेत्र्यां देखतें हस्तारि बैसौनु आपुले घरि घेउनु गेलो. हें दुर्योधनान देखुनु पांडवचि ऐसें ताका कळलें. — (iii) आठवी कथा

(d) तावळि भद्रशेनु येउनु प्रधानाक भेटलो. जे अर्जुनान सांगिललें इतुकेंय प्रधानाक सांगिलें, कागत जें बरैल्लें ते दाखैलें, ''मजी तंव ऐसी विटम्बणा जाल्या खाड मिसी तंव कातर्ली. तुमीं रायाक सांगा, अर्जुन खेत्री थोरू विरू. ताचे हाती येकादी विटम्बणा जरि जायत तरि समेस्तां प्रथुमिच्यां रायांखेत्र्यां मधें हासें येत.'' — (iv) सोळावी कथा

(v) नवी कथा

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

2. "Formation of Konkani" बरोवपी डॉ. सु.म.कत्रे हांणी 'न्यू इंडियन अँटिक्वेरी' आनी 'ओरिएंटल लिटररी डायजेस्ट' ह्या दोन नेमाळ्यांचे संपादन कोणाच्या आदारान केले ?

(1) अ.का. प्रियोळकार (2) पांडुरंग पिसुर्लेकार

(3) लक्ष्मणशास्त्री जोशी (4) पी.के. गोडे

3. 'भाशिक प्रयोग' आनी 'भाशिक क्षमता' अशे भेद हांतल्या कोणे मानल्यात ?

(1) विल्यम जोन्स (2) नॉम चॉम्स्की (3) सोस्यूर (4) अशोक केळकर

4. हांतल्या खंयच्या साहित्य कृतीचो अणकार समश्लोकी पद्य आनी गद्य स्वरूपांत केल्लो आसा ?

(1) धम्मपद (2) पैगंबर (3) लुजीतायन (4) एव आनी मरी

5. हांतलें भौअर्थी उतर खंयचें ?

(1) रंभा (2) प्रमिला (3) सुमन (4) चार्फे

6. 'मुळां आनी फुलां' ही प्रस्तावना हांतूतल्या खंयच्या पुस्तकाक बरयल्या ?

(1) 'मुळां' (2) 'लोकबिंब' (3) 'पावस फुलां' (4) 'लोकवेदाचो रूपकार'

7. 'घेतना दिवाळी, दितना शिगमो' हे म्हणीचो अर्थ म्हटल्यार :

(1) घेतना खूप खोशी जावप, परत दितना मात खूप बोवाळ करप.

(2) घेतिल्यो वस्तू बेगोबेग परत करप ना.

(3) दिवाळीक घेतिल्ल्यो वस्तू शिगम्याच्या वेळार परत करप.

(4) थोडे दिवन जास्त मेळपाची आस्त धरप.

8. 'तियात्र हो खऱ्या अर्थान लोक साहित्य' अशें तियात्राविशीं कोणे म्हटलां ?

(1) तोमाझीन कार्दोझ (2) मनोहरराय सरदेसाय (3) प्रकाश थळी (4) तानाजी हळर्णकार

9. सर्गबंध, अभिनेयार्थ, आख्यायिका, कथा आनी गाथा ह्या पांच तरेच्या काव्यांत किदें आसपाक जाय ?

(1) अलंकार (2) अनुप्रासयुक्त रचना

(3) वक्रोक्ति (4) लक्ष्यार्थान केल्ली रचना

10. सकयल्या विधानातली चूक विधानां खंयची ?

(a) रुद्रट हांणे 'काव्यालंकार' हो ग्रंथ बरयला.

(b) रुय्यक हाच्या ग्रंथाचें नाव 'अलंकार सर्वस्व' आसा.

(c) माहिम्मभट् हाचो ग्रंथ 'वक्रोक्ति जीवित' जावन आसा.

(d) राजशेखर हाणे 'व्यक्तिविवेक' नांवाचो ग्रंथ सिद्ध केलो.

(1) (a) आनी (b) विधानां चूक आसात.

(2) (b) आनी (c) विधानां चूक आसात.

(3) (c) आनी (d) विधानां चूक आसात.

(4) (b) आनी (d) विधानां चूक आसात.

11. 'निखटे' गिन्यान आसलें म्हूण उलोवपांतल्यान वक्तो आयकुवप्याचेर फोक घालूंक पावना' हे विचार हांतल्या कोणाचे ?

(1) ॲरिस्टॉटल (2) प्लॅटो (3) होमर (4) इलियट

12. 'आगुल्ल्याचें निवळण' ह्या नाटकातली मुखेल पात्रां हांतूतली खंयची ?

(1) काथारिन आनी बियांका (2) गानेरील आनी रेगन

(3) लिओन्तेस आनी हरमियोन (4) इजोन आनी आद्रियाना

13. द्विरुक्त उतरां कित्याक म्हणटात ?

(1) दोन समासिक उतरां एकठांय येतात तेन्ना.

(2) विसर्गाचो लोप जावन तयार जाल्लें उतर.

(3) दोन अक्षरी उतरां जेन्ना परती परती येतात तेन्ना.

(4) दोन उतरां मेळून जेन्ना संधी जाता तेन्ना.

14. नेमाळीं आनी तांचो उजवाडून येवपाचो कालखंड हाच्या प्रमाण योग्य त्यो जोडयो लायात.

(a)	सांजेचें नकेत्र	(i)	साताळें
(b)	ऐमिग्रंट	(ii)	दिसाळें
(c)	नवें गोंय	(iii)	तीन म्हयनाळें
(d)	रोटी	(iv)	पाक्षिक
		(v)	म्हयनाळें

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(3)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)
(4)	(i)	(ii)	(v)	(iii)

15. 'रॉबर्ट आनी कामीन' ही पात्रां चा.फ्रा.द कोश्ताच्या खंयच्या एकांकीतली जावन आसात ?

(1) सुणें माजर हांसता (2) हांडो उटला (3) विशेंतीचे भाव (4) टॉमेटो

16. 'पिकतलो', 'मणकट' अशा चार अक्षरी उतरांत दुसऱ्या अक्षरांत 'अ' आसल्यार ताचो उच्चार जायना आनी तिसऱ्या अक्षरांत 'अ' आसल्यार ताचो उच्चार जाता'

(1) वयल्या वाक्यांतलें पयलें अर्द बरोबर. (2) वयल्या वाक्यातलें दुसरें अर्द बरोबर.

(3) वयलें सगळेंच वाक्य चूक. (4) वयलें सगळें वाक्य बरोबर.

17. सकयलें वाक्य खंयच्या नाटकांतलें आनी ते कोणी कोणाक म्हटलां ?

''शी ! जायना कित्याक ? हुशार आसपाकूच जाय, ना-जाल्यार हे जात्रेंत तग लागता ?''

(1) वसंतोत्सव आनी दायज - धनगरीण गंगी चारूक

(2) श्री विचित्राची जात्रा - संदीसादून चलयेक.

(3) चैतन्याक मठ ना - अंकुशान जम्यातल्या लोकांक

(4) खण खण माती - बाबग्यान केंसराक

18. पुंडलीक नायकाच्यो नाट्य आनी काव्य ह्यो दोन प्रतिभाशक्ती एकठांय येवन घडिल्ली सुंदर काणी म्हळ्यार.

(1) 'रानसुंदरी' हें बालनाट्य. (2) गौरी आनी कल्परूख. ही बालनवलिका.

(3) 'गुणाजी' ही नवलिका (4) वसंतोत्सव आनी दायज हें नाटक.

19. _____ ह्या बरोवप्याक रोमांसीचो पाय म्हूण वळखतालेत.

(1) जुआंव कायतान द सौझ (2) रेजिनाल्द फेर्नांदिश

(3) आंतोनियु विन्सेंत द क्रुज (4) एफ्.एक्स. फॅर्नांदिश

20. 'अ' वा 'आ' स्वरांमुखार 'ए' वा 'ऐ' हे स्वर आयल्यार ते भरसून 'ऐ' हो स्वर जाता तेन्ना ताका कसली संधी म्हणटात ?

(1) स्वर संधी (2) व्यंजन संधी (3) विसर्ग संधी (4) वृद्धि संधी

21. 'उतरावळ हें भाशेचें एक व्हड बळगें; पुण त्यायपरस व्हडलें बळगें म्हळ्यार आशिल्ल्या उतरांक अभिधेचे जोडयेक लक्षणा आनी व्यंजना दिवपाची तिची तांक' अशें उतरावळीविशीं कोणे म्हळां ?

(1) बाकीबाब बोरकार (2) माधवी सरदेसाय (3) सु.म. तडकोडकार (4) शणै गोंयबाब

22. सॉनेट वा सुनीत ह्या काव्यप्रकाराची जल्मभूंय हांतली खंयची ?

(1) ग्रीस (2) फ्रान्स (3) इटली (4) इग्लंड

23. 'अवनवन कटम्बा' हें कोंकणी नाटक खंयचे लिपयेंतल्यान उजवाडून आयलां ?

(1) कानडी (2) नागरी (3) रोमी (4) मल्याळम

24. 'दुर', 'नि', 'सु' हे उपसर्ग खंयच्या मूळ भाशेंतले आसात ?

(1) अरबी (2) उर्दू (3) संस्कृत (4) प्राकृत

25. हांतली विरोधार्थी समासाची देख खंयची ?

(1) वयर-सकयल (2) सुयेर - सुतक (3) जेवण - खाण (4) आमरण

26. 'समाजाची सवस्तकाय दोळ्यांमुखार दवरून, चिरंतन 'सत' आनी खिणयाळें 'वास्तव' हांच्या संदर्भांत काव्याचें सामाजिक मोल थारायता' असो विचार हांतलो कोण करता ?

(1) ॲरीस्टोटल (2) प्लॅटो (3) होरेस (4) सॉक्रेटीस

27. सकयल दिल्ल्या विधानांतली खंयची विधानां **बरोबर** आसात ?

(a) 'दैवी कामदी' जरी जगभर नामना मेळयिल्लें महाकाव्य आसलें जाल्यारय ताका अभ्यासकांनी 'मध्ययुगीन विचारांचे सार' उक्तावपी महाबरप अशें लेखलां.

(b) पेट्रार्क, बोकासियो सारकिल्या बरोवप्यांच्या प्रभावान इंग्लीश कवी चॉसर हांणे लॅटीन वा फ्रेंच भाशेंतल्यान बरोवपाचें सोडून इंग्लेजींत बरोवपाक सुरवात केली.

(c) उदात्ततायेच्या घटकांक पळोवपाची दुसरी तरा म्हळ्यार कवी आनी तंत्र वा सैम आनी कला हांचो एकमेकांवांगडाचो वेगळांवंक नजो असो एकचार.

(d) उतर संपदा (diction) ह्या घटका विशीं उलयतना लोंजीनस संवकळीच्या उतरांचो उचित उपेग, प्रतिमांचो वापर, रूपकात्मक भास, फावो तेन्ना विशयांतराचो फिशाल उपेग हांचेर उजवाड घालता.

(1) वयलीं चारय विधानां बरोबर आसात. (2) (a) आनी (c) विधानां बरोबर आसात.

(3) (b) आनी (d) विधानां चूक आसात. (4) वयलीं चारय विधानां चूक आसात.

28. 'दोळ्यांतलें किशिर' माथाळ्याच्या पुस्तकाचो अणकार हांतल्या कोणे केला ?

(1) आर. भास्कर (2) ए. ए. आनन्दन

(3) एन्. पुरुशोत्तम मल्ल्या (4) नागेश सौंदे

29. 'समिक्षा' हे संकल्पनेंत खंयचे दोन उपविभाग आसतात ?

(1) विचारीक खोलाय आनी जीविताचो दिश्टावो.

(2) साहित्यविषयक अभ्यास आनी साहित्य कृतीच्या गुणांची मोलावणी.

(3) पांडित्य आनी प्रत्यक्ष समिक्षा

(4) साहित्य विचार आनी साहित्याचें समर्थन

30. सकयले विचार हांतल्यापैकी कोणाचे जावन आसात ?

(a) 'कविता ही प्रतिभेंतल्यान आंकुरपी सैमिक देणें'

(b) 'कविता ही शिकून आपणावंक येण्याजोगी एक फिशालकाय'.

(1) हे विचार अरीस्टोफानिस ह्या ग्रीक नाटककाराचे जावन आसात.

(2) सायमोनायडीस ह्या ग्रीक अलंकार शास्त्र्याचे जावन आसात.

(3) पिन्दार ह्या ग्रीक विचारवंताचे हे विचार जावन आसात.

(4) हेसियोद ह्या ग्रीक कवीचे हे विचार आसात.

31. केरळांतल्या कथाकारांमदलो विनोदी कथा बरोवपी हांतलो कोण जावन आसा ?

(1) एन्. पुरुशोत्तम मल्ल्या (2) गोकुळदास प्रभु

(3) के. आर. वसन्त मणि (4) इंद्रकान्त वासुदेव शणै

32. उजवाडून आयिल्ल्या वर्साच्या क्रमाप्रमाण हांतलो सारको क्रम खंयचो ?

(1) झेलो, पोयणारी, उदेंतेचे साळक, दर म्हयन्याची रोटी.

(2) पोयणारी, उदेंतेचे साळक, दर म्हयन्याची रोटी, झेलो.

(3) उदेंतेचे साळक, दर म्हयन्याची रोटी, पोयणारी, झेलो.

(4) दर म्हयन्याची रोटी, उदेंतेचे साळक, पोयणारी, झेलो.

33. 'नाटक हो उच्चाराचेर पातयेवपी साहित्यप्रकार. तो माचयेर खेळोवपाखातीर आसता.' हे विधान हांतल्या कोणाचें ?

(1) पुंडलीक नायक (2) प्रकाश वझरीकार

(3) श्रीधर कामत बांबोळकार (4) किरण बुडकुले

34. 'Pre-conceived single effect' हें खंयच्या साहित्य प्रकाराचें मुळावें तत्त्व जावन आसा ?

(1) निबंद ह्या साहित्य प्रकाराचें (2) एकांकी ह्या साहित्य प्रकाराचें

(3) कथा ह्या साहित्य प्रकाराचें (4) नवलकथा ह्या साहित्य प्रकाराचें

35. 'मूस मारप' ह्या वाक्प्रचाराचो अर्थ खंयचो ?

(1) मानशेची तोंडां बंद करप. (2) मूस आमडावप

(3) मूस मारपाचो खेळ खेळप. (4) कसलोच काम-धंदो करनासतना रावप.

36. ''हांव आतां कसलें बरें जावपाचें आसा. फुक्याची सगळी धडपड'' हें वाक्य कोणे कोणाक म्हटलां ? आनी तें खंयच्या कथेंतले तें सांगात.

(1) विमल देवदत्ताक म्हणटा. 'देंठ' हे कथेंत (2) विभाचो बापूय विभाक म्हणटा. 'घरांघरांतली रड' कथेंत

(3) गजा आपले बायलेक. 'घरपाखें' कथेंत (4) सरस्वती आझरेकाराक म्हणटा - 'तरंगा' कथेंत

37. ''दुर्बटासाकून कवळ्यां वेता आसताना वाटेर एक-दोंकडेन असल्यो घुडयो दिश्टी पट्टात. कवळ्या देवळाच्या प्राकाराक जे देढे आसात तांतूतल्या एकाक म्हारवाचो सेजो म्हणटात. कवळ्या शांता दुर्गेचे जे कुळावे वेतात ते थैं कसलेंय देवकारें करतकूच म्हारवाक सुर-रोंट घालूंक लावन ताचें बरेपण जोट्टात.''

वयलो उतारो हांतल्या खंयच्या बरोप्याच्या बरपावळींतल्यान घेतला ?

(1) लक्ष्मणराव सरदेसाय (2) शाम वेरेंकार

(3) शणै गोंयबाब (4) दत्ताराम सुखठणकार

38. ''काळखांत आडखळतल्यांक उजवाडाचो हात दिवन तांच्या प्राणांत किरणांची बीं रुजयत फांतोडे वाटेन व्हरतल्या चैतन्य पुरुषांक .....'' ही अर्पण पत्रिका कोणे आनी खंयच्या पुस्तकांत उजवाडून हाडल्या ?

(1) प्रकाश पाडगांवकार - 'उजवाडाची पावलां'

(2) माधव बोरकार - 'पर्जळाचें दार'

(3) माया खरंगटे - 'कयपंजी'

(4) रविंद्र केळेकार - 'उजवाडाचे सूर'

39. हांतल्या खंयच्या साहित्यकारान आजून मेरेन कोंकणीतल्यान कादंबरी लेखन केल्ले मेळना ?

(1) रमेश वेळुस्कार (2) सु.म. तडकोड (3) पुंडलीक नायक (4) दामोदर मावजो

40. साहित्य समीक्षणांतले वाद आनी तांचे जनक हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(a) अस्तित्ववाद (i) रेम्बो

(b) नवशास्त्रवाद (ii) बुआलो

(c) स्वच्छंदवाद (iii) कीर्कगार्ड

(d) प्रतीक वाद (iv) पी.बी. शेली

(v) क्रोचे

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

41. इ.स. 1999 वर्सा बाल साहित्याचो साहित्य अकादमीचो पुरस्कार मेळोवपी हांतलो कोण ?

(1) नयना आडारकार (2) विन्सी क्वाद्रुझ

(3) दामोदर घाणेकार (4) हांतलो कोण न्हय

42. जे.पी. सौझालीन ह्या तियात्रिश्ताक खंयच्या दुसऱ्या नांवान पाचारतात ?

(1) जुझे पाश्कोल (2) मॅजिकवाला (3) जॉन क्लार (4) मिगेल रॉड

43. रोमी लिपयेंत कोंकणीतलो नाखयो उच्चार खंयच्या कुरवांनी बरयतात ?

(1) N आनी O (2) M आनी N (3) A आनी E (4) M आनि U

44. प्रकाश थळी हांणी बरयिल्लें 'तियात्राचो इतिहास' हें पुस्तक खंयच्या वर्सा उजवाडून आयलां ?

(1) इ.स. 1990 (2) इ.स. 1991 (3) इ.स. 1996 (4) इ.स. 1992

45. 'उपनिषदाचें अवलोकन' ह्या ग्रंथाचो बरोवपी हांतलो कोण ?

(1) रवींद्र केळेकार (2) नागेश सौंदे (3) सुरेश आमोणकार (4) रवीन्द्रनाथ टागोर

46. 'मधुर कोंकणी काव्यां' ह्या मंगळूरी मोडीतल्या पुस्तकाक गोंयातल्या खंयचे संस्थेचे इनाम फावो जालां ?

(1) कोंकणी कला आनी साहित्य केंद्र (कुडचडें)

(2) कोंकणी सेवा केंद्र (सांखळे)

(3) कोंकणी भाशा मंडळ (मडगांव – गोंय)

(4) बारदेश कोंकणी अस्मिताय केंद्र (म्हापशें)

47. सकयल दिल्लें वाक्य कोणे कोणाक म्हटलां ते सांगात – ''हें रे बाबा खैंचें लचांड ? तागेलें मत विचारूंक हांव तागेलो बापूय कीं तो म्हगेलो बापूय ?''

(1) गुणेबाब शाणेबाबाक म्हणटा. (2) शाणेबाब उमेशाक म्हणटा.

(3) बाबूदाद केसूबाबाक म्हणटा. (4) केसूबाब गुणेबाबाक म्हणटा.

48. तोंडातल्यान जें ध्वनिरूपान फुट्टा आनी कानांक जें ध्वनिरूपान आयकूंक येता तें उतराचें _____. पणून त्या उतराच्या रूपाक लागून उलैतल्याच्या मनोगताचो आकयतल्याक अंतर्यामीं जो प्रत्यय येता तें त्या उतराचें _____.

(1) वाक्य; ध्वनिरूप. (2) रूप; स्वरूप

(3) ध्वनिरूप आनी वाक्यरूप (4) तद्भव रूप आनी तत्सम रूप

49. 'गरज आनी फाजील' हीं उतरां कोंकणीत खंयचें भाशेंतल्यान आयल्यात ?

(1) उर्दू (2) फारसी (3) अरबी (4) पख्तूनी

50. 'उत्पत्ती सिद्धांत' ह्या उतराक इंग्लेज भाशेंत हांतलो खंयचो शब्द आसा ?

(1) Genetic theory (2) Genetic tendency

(3) Symbolic theory (4) Dissonance theory

51. जायत्या सिद्धहस्त लेखकांनी कथा काव्य सारक्या प्रकारांत जीणेचें योग्य दर्शन घडयिल्लें आसता पूण नाटकाच्या मळार मात तांका अपेशूच येता हाचें कारण -

(1) माचयेर सदांकाळ वावुरपी फिशाल तंत्रज्ञ आसतात.

(2) रंगमाचयेवयली तंत्राची तांची जाण अर्दकुटी थारिल्ली आसता.

(3) नाट्यलेखन करून जातकच नट, दिग्दर्शक ते संहितेचो जाय तसो उपेग करतात.

(4) नाटकाक ते करमणुकीचो निखटो प्रकार मानतात.

52. पुश्कीन ह्या लेखकाची 'दोब्रोवस्की' ही नवलकथा हांतल्या कोणे अणकारल्या ?

(1) पांडुरंग भांगी (2) जयंती नायक (3) शांताराम हेदो (4) रामभाऊ जुवारकार

53. भारतांत साहित्यिक अणकाराची गती फावो तशी ना हाचें खंयचे कारण नागेश करमली दितात ?

(1) सगळ्या जाणांक चडशो भासो येतात.

(2) आमच्यांतली साक्षरताय, साहित्याविशीं अनास्था आनी अर्थिक फाटबळाचो उणाव.

(3) भारतीय लोक आनी भूंयविस्तार हाचे नदरेन आमीं व्हडलेशे उमेदी नात.

(4) पुर्तुगेज भाशेंत जायते अणकार वाचूंक मेळटात देखून भारतीय भाशेंतल्या अणकारांची गरज दिसना.

54. वेळपांच्या कोंकणी बोलयेंतल्या उतरांनी 'ल' वर्ण जेन्ना उतरांच्या सुरवातीक आसता तेन्ना ताचो उच्चार :

(1) 'र' जाता (2) 'न' जाता (3) 'क' जाता (4) 'स' जाता

55. 'कोंकणी साहित्य कुलरत्न' ह्या बीरूदाचे मानकरी इ.स. 1990 ह्या वर्सा कोण जाले ?

(1) अरूण साखरदांडे (2) यशवन्त पालेकार (3) चा.फ्रा.द कोश्ता (4) जे.एल्. गोएश

56. एकांकी आनी ती बरोवपी हांची फावो ती जोडी खंयची ?

(1) हांसोळ – श्रीधर कामत (2) तानसुर्या – शाबा कुडतरकार

(3) जागोर – जयंती नायक (4) चतुर्विध – राजू नायक

57. 'मराठी परस कोंकणी जीण वेगळी म्हण ताका जाणवली आनी ताणे हेर भासांच्या प्रतिनिधीवांगडा कोंकणीकूय सुवात दिली' अशें खंयच्या संतकवी विशीं म्हटलां ?

(1) संत ज्ञानेश्वर (2) संत सोहिरोबानाथ (3) संत तुकाराम (4) संत नामदेव

58. ''आबू आनी मास्तर ही दोन मनशां म्हळ्यार नवलिकेतलीं मध्यवर्ती व्यक्तिरेखा न्हयंत. त्या त्या प्रसंगांत येवपी तें तें पात्रय तेदेवेळार चिकें मध्यवर्ती पात्र जावन उरता आनी कथानकाची संमिश्रताय उक्तायता.'' हें विधान खंयच्या नवलिकेक उद्देशून बरयलां ?

(1) 'वसंतोत्सव आनी दायज' (2) 'उबंतर'

(3) 'अच्छेव' (4) 'पापड़ां कवळ्यो'

59. ''काट्यांच्या देसांत फुलांचो गाव/तळपा तळच्यान वझ्याची धांव'' अशें गोयचें वर्णन हांतल्या खंयच्या कवीन केलां ?

(1) बाकीबाब बोरकार (2) मनोहरराय सरदेसाय (3) पांडुरंग भांगी (4) रघुनाथ विष्णु पंडित

60. इ.स. 1684 वर्सा पोर्तुगीज भास तीन वर्सां भितर शिकची असो हुकुम कोणे प्रस्तुत केलो ?

(1) मार्क द पोंबाल (2) आजेन्त मोंन्तेर

(3) विजरै कोंदिदे आल्वार (4) सालाझार

61. सकयल दिलल्या विधानांतली खंयची विधानां **बरोबर** आसात ?

(a) कोंकणी साहित्यिक हो इतिहासिक कारणांक लागून भाशीक आनी राजकी चळवळींतलो मनीस जालो.

(b) आपलें व्यक्तिमत्व घडोवपाच्या प्रक्रियेंत कवी घुसपलेलो आसता देखून तरण्या पिरायेच्या काळांत बरयिल्ले ताचे कवितेक आपलो असो सूर नासता.

(1) वयलीं (a) आनी (b) ही विधानां चूक आसात.

(2) वयल्या विधानांतले (a) विधान चूक आनी (b) विधान बरोबर आसा.

(3) वयलीं (a) आनी (b) हीं विधानां बरोबर आसात.

(4) वयल्या विधानांतले (a) विधान बरोबर आनी (b) विधान चूक आसा.

62. सोदवावर करतल्याक खंयच्या गजालीन आपल्या वावराची सुरवात करची आसता ?

(1) मार्गदर्शकाक निश्चित करून पंजीकरण करचें आसता.

(2) विशयाच्या सूची वावरान आपलो सोदवावर सुरू करचो आसता.

(3) आपल्या सोद विशयातल्या संबंधित लोकांची वळख करून घेंवची आसता.

(4) पयल्या दिसा सावनच प्रबंधाच्या बरपाची सुरवात करची आसता.

63. पोरणे ग्रंथ आनी तांचे रचनाकार हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात.

(a)	पाणिनी	(i)	निरुक्त
(b)	पतंजली	(ii)	वार्तिक
(c)	यास्काचार्य	(iii)	महाभाष्य
(d)	भट्टोजी दीक्षित	(iv)	अष्टाध्यायी
		(v)	सिद्धान्त कौमुदी

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(2)	(iv)	(ii)	(v)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(4)	(iii)	(v)	(ii)	(i)

64. संरचनावादी भाशाभ्यासाचो कालखंड म्हळ्यार _____.

(1) इ.स. 1930 ते 1975 (2) इ.स. 1950 ते 1975

(3) इ.स. 1930 ते 1960 (4) इ.स. 1930 ते 1955

65. मूळ उडिया भाशेंतल्यान कोंकणीत आयिल्यें हांतलें उतर खंयचें ?

(1) पाहूल (2) नांगर (3) तुतयो (4) तुवैरे

66. 'दर्या गाजयलो' ह्या पुस्तकाचो रचयिता कोण ?

(1) र.वि. पंडित (2) मीना काकोडकार (3) स्वामी सुप्रिय (4) सुधा आमोणकार

67. ''कोगळाच्या संगीताक अखंड व्हावप अशें ना. तें मना येत तशे थेंबे उडयत बिंदुपातान करता. तीच भास ह्या कवीच्या गीतांची. खिणाखिणाक धार तुटून आपलेच जडसाणीन घडिलल्या म्होंवा-थेंब्यांवरीं तीं भासतात. जिबेर तांची रूच उरता-ना-उरता. पुण उरता तीच ब्रह्मानंदाचीं खिणभर अणभूती दिता''. अशे विचार कोणे आनी कोणा संबदान उगतायल्यात.

(1) बाकीबाब बोरकार - नागेश करमली.

(2) रा. ना. नायक - मनोहर सरदेसाय.

(3) मनोहरराय सरदेसाय - रमेश वेळुस्कार

(4) रविंद्र केळेकार - पुंडलीक नायक

68. 'दोन पाकळ्यो' ही प्रस्तावना हांतल्या खंयच्या पुस्तकाखातीर बरयल्या ?

(1) ब्रह्मकमळ (2) भुंयचाफी (3) कवासो (4) पावस फुलां

69. सु.म. तडकोड हे कवीन हांतली खंयची दोन कोंकणी पुस्तकां उजवाडावन हाडल्यात ?

(1) 'सकयल्या पुस्तकां' तलें एकय पुस्तक न्हय

(2) 'मोग किनारी' आनी 'रानमौन'

(3) 'निरंजन' आनी 'निम्मजन'

(4) 'अव्यक्ताची गाणी' आनी 'हिरण्यगर्भ'

70. 'भायर भितर वादळी रात

आनी मानेर मोडकें जूं

भश्टल्ल्या आकाशांत

'प्रकाशा' चो घेवन भालो

काळखाचें हड्डें चिरीत

आयलो तूं

सगळ्यांपरस व्हडलो तूं!''

वयर दिल्ल्या मनोहरराय हांच्या कवितेंतल्यान कवीन हांतूतल्या कोणाची तुस्त केल्या ?

(1) मिनेझिस ब्रागांझा (2) राम मनोहर लोहिया (3) जवाहरलाल नेहरू (4) शणै गोंयबाब

सकयल दिल्लो उतारो वाचून ताच्या सकयल दिल्ल्या प्रश्नांच्यो जापो दियात.

'अशोक चक्रांत चरखो आसपावला. हांव जाणां. चरख्याचो विश्वशान्तिचो संदेशूच अशोक चक्र दिता. इतलेंच न्हय, तर विश्वशांन्तिचो संदेश नवो न्हय, अडेच हजार वर्सां सावन हो देश तो संवसाराक दीत आयला, हें अशोक चक्र सांगता म्हणपाचेंय जाणां. ह्या देशान केन्नाच दुसऱ्या खंयच्याय देशाचेर आगळिको करूंक नात, खंयचेच देश जिखून तांचेर आपणालो शेक गाजोवंक ना, हेंच अशोक चक्र सांगीत आयलां. अशोक चक्र बुद्धाच्या धर्मचक्राचें प्रतीक. बुद्ध सांगतालो, जिवितांत दुख्ख भरलां. इतलें भरलां की, धरूंया, ह्या दुख्खाक लागून आमच्या दोळ्यांतल्यान व्हांविल्ली दुकां आमकां एकठांय करूंक आयिल्ली जाल्यार पांच म्हालसागर भरून येतले आशिल्ले. हें दुखय देवान धाडूंक ना. नशिबात आशिल्लें म्हुण्णूय तें आमच्या वांट्याक येवंक ना. आमीच तें आमच्या वसवशेपणान ओडून हाडलां. हें दुख्ख पयस करूं येता. ज्या कारणाक लागून तें आयलां तें वसवशेपण हुमटावन काडचें. म्हणटकूच तें दुख्ख ना जातलें. कशें हुमटावन काडचें? जिविता कडेन समा नदरेन पळोवन, समा निर्णय घेवन, समा उतर उलोवन, समा करण्यो करून, समा जोड जोडून, समा यत्न करून, मनांत समा जागरूकपण राखून आनी मैत्री, करूणा, मुदिता, उपेक्षा ह्यो चार भावना मनांत केळोवन. बुद्धाचो हो संदेश जो अशोक चक्रान उकतायला, तोच आयच्या काळार चरखो मुखार घेवन गेला. अशोक चक्रा उपरांत अडेज हजार वर्सांनी चरखो आयलो. तो बुद्धाचोच संदेश वेव्हारांत कसो हाडचो हें सांगीत रावला.

तो म्हणटा, परके सत्येंतल्यान देश मेकळो जालो म्हूण स्वराज्य आयलां अशें जायना. चडांत चड 'देश स्वतंत्र जाला' इतलेंच आमच्यांनी म्हणू येता. स्वतंत्र देश संवसांरात जायते आसात. ते सगळे सुखी आसात अशें म्हणूं येना. आमचो देश सुखी जावचो अशें आमकां दिसता आसत जाल्यार स्वतंत्रतायेंतल्यान स्वराज्याचे दिकेन आमी आमचीं पावलां उखलूंक जाय. स्वराज्य म्हळ्यार 'स्व' चेर अंकूश आशिल्लें स्वदेशी राज्य. स्वदेशी राजनीत, स्वदेशी अर्थनीत, स्वदेशी संस्कृताय चलोवपी राज्य. समाजांत जो सगळ्यांत चड फाटीं पडला, सगळ्यांत चड चिड्डुला, सगळ्यांत चड नागवला. ताच्यांत 'म्हज्यान आतां म्हाका जाय ते तरेचें रूप ह्या देशाक दिवं येता' हे तरेचो आत्मविश्वास जागोवपी राज्य. हे तरेचें स्वराज्य हाडपा खातीर कांय पावलां आमी उखलूंक जाय.

71. अशोक चक्र खंयचो संदेश सांगीत आयलां?

(1) दुसऱ्याचेर शेक गाजोवंक नाकात

(2) दुसऱ्या देशाच्यो आगळिको करूंक नाकात.

(3) विश्वशांती राखची

(4) विश्वशांती म्हळ्यार बुद्धाचे धर्मचक्र

72. जीवितांतलें दुख्ख कशें आयला?

(1) देवान धाडिल्यान (2) आमच्या वसवशेपणान

(3) नशिबाक लागून (4) दोळ्यांतल्या दुकांनी

73. चरखो मुखार किदें घेवन गेला?

(1) समा जागरूकतायेचो संदेश (2) अशोक चक्राचो संदेश

(3) धर्मचक्राचो संदेश (4) बुद्धाचो संदेश

74. आमच्या देशाक सुखी करपा खातीर आमी किदे करूंक जाय ?

(1) 'स्व' चेर अंकूश दवरपाक जाय.

(2) स्वतंत्रतायेतल्यान स्वराज्याच्या दिकेन आमी आमचीं पावलां उखलूंक जाय.

(3) स्वराज्याक म्हजें रूप दिवंक जाय.

(4) 'स्वचो आत्मविश्वास जागोवंक जाय.

75. स्वदेशी राजनीत, अर्थनीत आनी संस्कृताय चलोवपी राज्य केन्ना निर्माण जाता ?

(1) जेन्ना आत्मविश्वास जागोवपी राज्य आसता.

(2) स्वतंत्रतायेची भावना जागोवपी राज्य आसता.

(3) जीविताकडेन समा नदरेन पळोवपी राज्य आसता.

(4) सार्वभौमत्व जागोवपी राज्य आसता.

- o O o -

Space For Rough Work